प्रेस नोट

एफ.एस.एस.ए.आई को 170 से अधिक देशों के खाद्य मानक ऑनलाइन उपलब्ध

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफ.एस.एस.ए.आई) को अब 170 से अधिक देशों के खाद्य संयोजी पदार्थों (उदाहरणार्थ रंजकों, सुवासकारी पदार्थों, मीठाकारकों), खाद्य मानकों (उदाहरणार्थ पेयों, कोको, डेयरी, स्वास्थ्य संबंधी दावों), खाद्य संपर्क और संदूषकों (उदाहरणार्थ माइकोटोक्सिनों, भारी धातुओं, पेस्टीसाइडों, पशु औषधियों, रसायनों) के 70,000 से अधिक मानकों का डैटाबेस उपलब्ध होगा।

इस प्रयोजन के लिए एफ.एस.एस.ए.आई ने संयुक्त राज्य अमरीका की कंपनी डिसर्निस लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। डिसर्निस उपयोगकर्ता-सहज ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय विनियमों तक पहुँच सुलभ कराएगी। इस अंतर्राष्ट्रीय डैटा बेस में किसी भी पदार्थ अथवा विषय (उदाहरणार्थ मीठाकारक और सिरप) तथा टेक्स्ट सर्च (उदाहरणार्थ 'दूध' और 'माइकोटोक्सिन') के हिसाब से खोज की जा सकेगी। इस डैटा बेस से मानक-निर्धारण की प्रक्रिया आसान बनेगी, क्योंकि इससे अंतर्राष्ट्रीय विनियमों को एक ही प्लेटफॉर्म पर खोजा जा सकेगा, जिससे वैज्ञानिक पैनलों को अंतर्राष्ट्रीय मानकों को समझने और भारतीय विनियम को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने में सहायता मिलेगी। यह डैटा बेस जोखिम विश्लेषण में भी अत्यधिक लाभकारी होगा।

समझौते के अनुसार एफ.एस.एस.ए.आई डिसर्निस को नए मसौदा और अंतिमित विनियमों के नोटिस उपलब्ध कराएगी। समझौते के तहत डिसर्निस सुबोधता और उपयोगकर्ताओं के अनुपालन में सुधार लाने के लिए भारतीय मसौदा और अंतिमित मानकों को अपने सिस्टम में एकीकृत कर देगी। एफ.एस.एस.ए.आई खाद्य मानकों, खाद्य संयोजी पदार्थों, खाद्य संपर्क सामग्रियों, संदूषकों और पेस्टीसाइडों के अवशिष्टों के विनियमों के संबंध में ग्राहकों के समय-समय पर उठने वाले प्रश्नों के बारे में भी सहायता करेगी। इस समझौते पर टिप्पणी करते हुए श्री पवन अग्रवाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एफ.एस.एस.ए.आई ने कहा कि अच्छी विनियात्मक रीतियों के अनुसार राष्ट्रीय मानक अथवा दिशा-निर्देश बनाते समय अंतर्राष्ट्रीय रीतियों को ध्यान में रखना होता है। यह माड्यूल विश्व भर में अपनाए जा रहे विभिन्न विनियमों और रीतियों को सुलभ बनाने में सहायक होगा। श्री केल्विन सी. केन्नी, सी.ई.ओ, डिसर्निस ने खाद्य आपूर्ति चेन में सुरक्षा में सुधार लाने के लिए एफ.एस.एस.ए.आई को सहयोग देने में प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि इससे अंतत: उपभोक्ताओं को फायदा होगा। सीमाओं, भाषाओं और संस्कृतियों के पार खाद्य अनुपालन बहुत जटिल हो सकता है तथा सरकार और उद्योग का इस जैसा सहयोग विश्व में खाद्य की सुरक्षा में सुधार लाने का एक और कदम होता है। माड्यूल को समझने के लिए एफ.एस.एस.ए.आई के अधिकारियों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।